भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1863

03 मार्च, 2020 को उत्तरार्थ

विषय: जैविक खेती के लिए योजनाएं

1863. श्री ज्योतिर्मय सिंह महतोः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश, विशेषकर पश्चिम बंगाल में जैविक कृषि के लिए सरकार की कौन-सी योजनाएं और कार्यक्रम हैं;

(ख) क्या पश्चिम बंगाल में जैविक कृषि लोकप्रिय नहीं हो रही है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) जैविक कृषि के लिए किसानों को तकनीकी सहायता प्रदान करने में भारतीय कृषि अनुसंधन परिषद की भूमिका क्या है; और

(घ) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान खेतों तक पहुंचने वाली भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित तकनीकों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) एवं (ख) : सरकार परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र जैविक मूल्य श्रृंखला विकास मिशन (एमओवीसीडीएनईआर) की समर्पित स्कीमों के अंतर्गत जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है। कृषि प्रसंस्कृत खाद्य एवं निर्यात विकास प्राधिकरण (अपेडा), वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जैविक खेती के तीसरे पक्ष प्रमाणन को बढ़ावा दिया जाता है।

पश्चिम बंगाल राज्य में पीकेवीवाई कार्यक्रम के अंतर्गत 6000 किसानों को लाभांवित करने के लिए वर्ष 2015-16 में 2400 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल करते हुए 120 कलस्टरों को आवंटित किया गया था।

(ग) और (घ) : आईसीएआर-भारतीय खेती प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम के माध्यम से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 12 राज्यों के लिए उपयुक्त 51 फसलन तंत्रों की पद्धति पैकेज विकसित की है। 12 राज्यों के लिए उपयुक्त विभिन्न फसलों हेतु जैविक प्रबंधनके अंतर्गत उत्कृष्ट किस्मों की भी पहचान की गई थी तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों के बीच इन्हें लोकप्रिय बनाया जा रहा है। केरल, मेघालय, सिक्किम और तमिलनाडु के लिए एक एकड़ का समेकित जैविक खेती प्रणाली मॉडल विकसित किया गया है। इसके अलावा, कृषि विस्तार अधिकारियों, किसानों तथा अन्य उद्यमियों जैसे विभिन्न हितधारकों के लिए विभिन्न राज्यों में एआई-एनपीओएफ के केंद्रों के माध्यम से परिषद आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी संचालन किया जाता है। जनजातीय उप-योजना कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित राज्यों में समेकित जैविक कृषि प्रणाली सहित पैकेजों का प्रदर्शन भी किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में एआई-एनपीओएफ का एक केंद्र जैविक उत्पादन के पद्धतियों के पैकेज विकसित करने तथा देशी जैविक आदानों की विशेषता बतलाने के प्रयोजनार्थ कार्य कर रहा है।